संकुल स्रोत केन्द्रों में मासिक बैठक हेतु

द्वितीय वर्ष

चर्चा पत्र - जुलाई, 2016

अंक –2

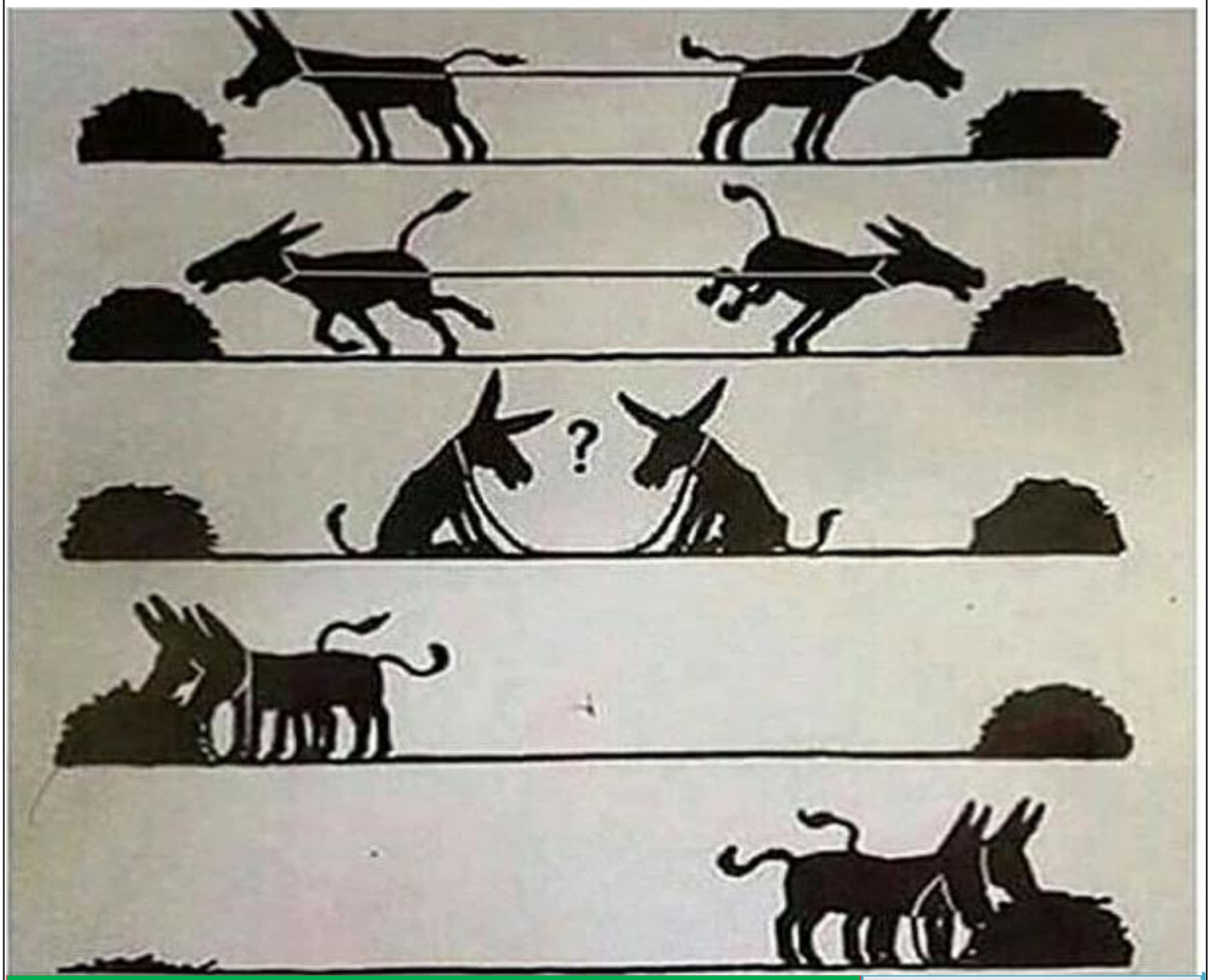

राज्य परियोजना कार्यालय
राजीव गांधी शिक्षा मिशन
रायपुर छ.ग.

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम शिक्षा गुणवत्ता अभियान

जुलाई, 2016

डॉ.ए.पी.जे. अब्दुल कलाम शिक्षा गुणवत्ता अभियान

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

आमुख

आपको द्वितीय वर्ष का द्वितीय अंक सौंपते हुए अत्यंत हर्ष का अनुभव हो रहा है। आशा है कि आप चर्चा पत्र में उठाए गए विभिन्न मुद्दों को आधार मानकर या ध्यान में रखकर अपने–अपने संकुलों में चर्चाएं आयोजित कर रहे होंगे। गत वर्ष से संकुलों में अकादमिक चर्चाओं का बेहतर दौर शुरू हुआ है। चर्चा पत्रों के माध्यम से राज्य स्तर से सीधे शिक्षकों तक संवाद की परंपरा शुरू करने का प्रयास किया जा रहा है। अभी इस दिशा में शिक्षकों की ओर से और अधिक सक्रियता की आकांक्षा/अपेक्षा है।

इस वर्ष से हमें राज्य में बेहतर कार्य कर रहे प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी के बारे में लिखना प्रारंभ कर रहे है। बहुत से जगहों में शिक्षकों द्वारा अच्छे कार्य किए जा रहे है। धमतरी जिले में शिक्षकों ने मिलकर 100–100 रूपए एकत्र करके अपने संकुल को पहला ऑनलाईन संकुल बना लिया है। बस्तर जिले में पीएलसी द्वारा विज्ञान प्रयोगों पर अच्छा काम किया जा रहा है। नारायणपुर जिले में कॉमिक स्ट्रिप पर कार्य किया जा रहा है। बालोद जिले में बस्तर विहीन शिक्षा व्यवस्था का ट्रायल किया जा रहा है। बिलासपुर एवं बस्तर जिलों ने तो अपने जिलों के लिए चर्चा पत्र निकालना शुरू कर दिया है। सभी जिलों में गुणवत्ता सुधार के लिए अलग–अलग तरीकों से पहल की जा रही है। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम शिक्षा गुणवत्ता अभियान के अंतर्गत यह एक अच्छी शुरूआत है। पर इन प्रयासों के बीच कहीं–कहीं शिक्षकों/शैक्षिक अधिकारियों के निलंबन की बात भी सुनाई देती है। हमें कोशिश करनी होगी कि शालाओं में ऐसी नौबत कभी नहीं आने पाए। सभी अपने–अपने स्तर पर अच्छा कार्य करें और बच्चों को बढ़िया शिक्षा उपलब्ध कराने में सहयोग कर सकें।

इस माह की बैठक तक आप सभी ने अपनी–अपनी शाला के लिए मिशन स्टेटमेंट तैयार कर लिया होगा। इस बार हमें आपसे शालेय स्वच्छता अभियान की जानकारी दे रहे है। आशा है कि आपमें से अधिकांश अपने अपने शालाओं को इस प्रतियोगिता अनुसार तैयार कर इसमें ऑनलाईन भाग लेंगे। राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अतंर्गत हम अपने शिक्षकों को विभिन्न आधुनिक तकनीकों की जानकारियों एवं आईसीटी का उपयोग में निपुण बनाते हुए कक्षा में नियमित उपयोग की अपेक्षा रखते है। इस हेतु हमने गत अंक में कुछ वेबसाइट्स के नाम भी आपके साथ शेयर किए थे। आपसे अपेक्षा है कि आपके संकुल से अधिक से अधिक शिक्षक इन वेबसाइट्स में अपना पंजीयन कराते हुए ऑनलाईन चर्चाओं में सक्रिय सहभागिता ले।

द्वितीय सामाजिक अंकेक्षण हेतु सभी को अग्रिम बधाई के साथ।

एजेण्डा एक :–

प्राथमिक कक्षाओं के लिए गणित प्रशिक्षण– राज्य में इस सत्र में संपर्क फाऊण्डेशन के साथ मिलकर कक्षा 01 से 03 तक के शिक्षकों का दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। संपर्क फाऊण्डेशन द्वारा इस प्रशिक्षण के लिए किट एवं मास्टर ट्रेनर्स की सेवाएं उपलब्ध कराए गए। इसके अलावा उनके द्वारा सभी जिलों में शालाओं को सहयोग देने हेतु एक जिला प्रभारी एवं काल सेंटर की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है जो शिक्षकों से सीधे किट के नियमित उपयोग की जानकारी लेंगे। ये सारी सुविधाएँ संपर्क फाऊण्डेशन की ओर से निःशुल्क बिना किसी प्रतिफल के उपलब्ध कराई जा रही है। अब इस प्रशिक्षण के बाद आप सभी से यह अपेक्षा है कि :–

1. सभी प्राथमिक शालाओं में गणित किट का नियमित उपयोग हो।
2. प्रशिक्षण में बताए अनुसार सभी प्राथमिक शालाएँ बच्चों का परीक्षण कर बेसलाईन जानकारी संकलित कर उच्च कार्यालय को उपलब्ध कराएँ।
3. कक्षा 4 एवं 5 में भी बच्चों को मूलभूत गणितीय अवधारणाओं को स्पष्ट करने हेतु इस किट का उपयोग किया जाए।
4. शाला के अन्य शिक्षकों को भी इस किट का उपयोग करने हेतु जानकारी दी जाए।

5- गणित किट को अपने पाठ्यपुस्तक के साथ मैच करते हुए कौन से पाठ के लिए किस सामग्री का उपयोग करना चाहिए, यह भी देखें |

6- प्राथमिक स्तर पर गणित शिक्षण हेतु विभिन्न रोचक गतिविधियों की जानकारी के लिए देखें वेबसाईट – alokshukla.com इस वेबसाईट से जुड़ना बहुत आसान है | आपको अपने ईमेल एवं मोबाइल नंबर से पंजीयन करना होगा | आप इससे जुड़कर विभिन्न अकादमिक मुद्दों पर चर्चा एवं जानकारियाँ शेयर कर सकते हैं | इसमें भाषा एवं गणित शिक्षण पर बहुत सी जानकारियाँ दी जा रही है |

7- क्या आपके संकुल के शिक्षक इस वेबसाईट में दी जा रही गणित की विभिन्न गतिविधियों (अब तक तीस से अधिक) पर अपनी कक्षा में अभ्यास करवाते हुए वीडियो तैयार कर इस वेबसाईट में अपलोड कर सकते हैं ? कृपया संकुल में चर्चा कर इस काम को अपने हाथ में लें और मोबाइल से ऐसी कक्षाओं के वीडियो बनाकर इस वेबसाईट में अपलोड करें |

एजेण्डा दो :–

अरविंद गुप्ता टॉयज – राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अतंर्गत हमें विज्ञान विषय के प्रति बच्चों में रूचि विकसित करने हेतु आवश्यक प्रयास करने होंगे। क्या आपके संकुल में टेक्नालाजी एवं विभिन्न सामग्री निर्माण में दक्ष शिक्षकों का एक पीएलसी बनाकर उनके माध्यम से निम्नलिखित कार्य करवा सकते है :–

1. पीएलसी के सदस्य अरविंद गुप्ता टॉयज को वेबसाइट http://www.arvindguptatoys.com/ से सर्च कर विभिन्न प्रकार के खिलौने बनाने/ उनके पीछे कि वे विभिन्न वैज्ञानिक तथ्यों के बारे में समझ विकासित कर सकते हैं।
2. पीएलसी के सदस्य अपने–अपने संकुल की शालाओं के शिक्षकों के साथ ऐसे खिलौने बनाकर उसकी जानकारी एक दूसरे के साथ शेयर करें।
3. क्या संकुल स्रोत केन्द्र में पीएलसी के माध्यम से अरविंद गुप्ता टॉयज वेबसाइट में चर्चा किए गए विभिन्न खिलौने का संकलन शालाओं के बारी–बारी से दिखाने हेतु तैयार किया जा सकता है ?
4. क्या आपके संकुल के कोई पीएलसी अपने संकुल स्रोत के लिए ''कबाड़ से जुगाड़'' विधि से पाठ्यक्रम अनुरूप किट तैयार कर एक दूसरे के साथ शेयर कर सकते हैं ?

आशा है कि आप अपने संकुल में चर्चा कर पीएलसी को उपरोक्त कार्यों के लिए प्रोत्साहित कर आगामी माह के संकुल बैठकों में इस कार्य के प्रदर्शन के लिए तैयार कर सकेंगे।

कृपया ऐसे कार्यों की सूची, रिपोर्ट एवं फोटोग्राफ्स से हमें भी अवगत कराएँ एवं वेबसाईट में अपलोड करें| इस बार वार्षिक कार्ययोजना में हमने विभिन्न सक्रिय पीएससी के लिए भी विभिन्न कार्यों के लिए बजट प्रावधान रखा है। यह बजट केवल सक्रिय पीएलसी को उनके प्रस्ताव पर दिया जा सकेगा। जिसकी जानकारी आपको आगे के माहों में दी जाएगी। टेक्नोलोजी का उपयोग कर हमारे शिक्षकों को डिजिटल इंडिया में सहभागी बनाएं|

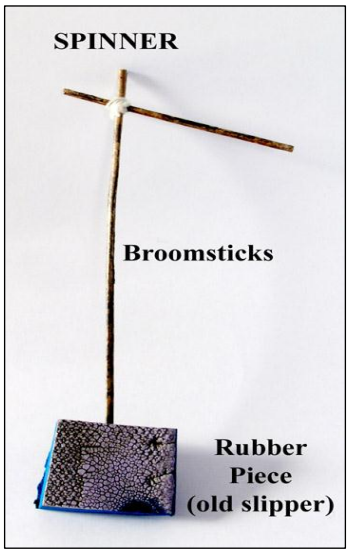

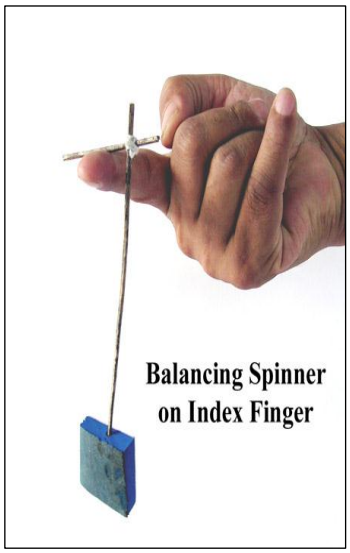

राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान द्वारा शीघ्र राज्य के विज्ञान शिक्षकों के लिए ''कबाड़ के जुगाड़'' नामक प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है जिसे अमेरिका से लौटकर इसी कार्य को फोकस कर रहे विषय विशेषज्ञ द्वारा दिया जाएगा। आप अपने आस–पास के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के ऐसे प्रशिक्षित शिक्षकों की मदद लेकर आगे अपने लिए प्राथमिक/ उच्च प्राथमिक स्तर के लिए भी ''कबाड़ के जुगाड़'' द्वारा स्थानीय स्तर पर विज्ञान किट का निर्माण कर पाएंगे।

एजेण्डा तीन :–

मिशन स्टेटमेंट – गत माह हमने आपसे शालाओं के लिए मिशन स्टेटमेंट बनाने हेतु कुछ सुझाव एवं प्रक्रिया से अवगत कराया था। आशा है सभी शालाओं में अपना–अपना मिशन स्टेटमेंट बनाकर उन्हें प्राप्त करने की दिशा में काम प्रारंभ कर लिया होगा। सभी शालाओं के मिशन स्टेटमेंट को एक बार बारी–बारी से सुनाएँ एवं यदि आवश्यक हो तो सभी से सुझाव लेकर उनमें संशोधन भी करेंगे। शालाओं को अपना–अपना मिशन स्टेटमेंट अपने एसएमसी के साथ शेयर करने हेतु शाला की दीवार में प्रदर्शित करने हेतु आवश्यक निर्देश देवें। चर्चा कर यह तय करें कि अपने संकुल की सभी शालाओं के पास अपना–अपना लक्ष्य अर्थात मिशन स्टेटमेंट हो। सभी संकुल समन्वयक इन लक्ष्यों के अनुसार शाला में किए जा रहे सुधार कार्यों पर नजर रखें। जो जिले सबसे पहले अपने जिले के सौ प्रतिशत शालाओं में यः कार्य संपन्न कर लेते हैं, वे तत्काल सूचित करें|

एजेण्डा चार :–

NIF अवार्ड – National Innovationa Foundation (NIF) द्वारा बच्चों के लिए इग्नाइट अवार्ड दिए जाते है। ये अवार्ड प्रति वर्ष डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम जी द्वारा दिए जाते रहे है। बच्चों के लिए ये अवार्ड राष्ट्रपति महोदय द्वारा दिए जाएंगे। गत वर्ष राज्य स्तर से लगभग 800 प्रविष्टियॉ भेजी गई थी। इस बार प्रविष्टियों की संख्या में वृद्धि होनी चाहिए एवं आपके संकुल से अधिकतम बच्चों को इस प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु प्रोत्साहित करें। इस प्रतियोगिता से भाग लेना बहुत ही आसान है।

1. सबसे पहले बच्चों को इस अवार्ड कार्यक्रम की जानकारी दे।
2. गत वर्षों के सफल माडलों के कुछ उदाहरण दें। ये (NIF) के वेबसाइट http://nif.org.in/ में उपलब्ध है।
3. फिर बच्चों को उनके आसपास की समस्याओं के बारे में सोचते हुए उनके समस्या समाधान के कुछ उपाय सोचने को रहे।
4. अच्छे आइडियाज आने पर उसे एक कागज के लिख लेवें।
5. एक सर्टिफिकेट के साथ सभी बच्चों के आइडियाज को इस पते पर ईमेल या सीधे भेज देवें।

National Innovation Foundation-India
Postal Address:
Satellite Complex,
Jodhpur Tekra, Near Mansi crossroad
Ahmedabad, Gujarat, India.
Pin : 380015,
Tele: + 91 079 26753501, +91 079 2673 2095 / 2456,
Fax : + 91 079 26731903,
E–Mail : info@nifindia.org
For Innovation/Ideas:- sd@nifindia.org, campaign@nifindia.org, ignite@nifindia.org and for Business Development :- bd@nifindia.org

NIF Gandhinagar Campus:
Postal Address:
National Innovation Foundation - India,
C/o Grambharti,
Near Grambharti Circle, Amrapur
Gandhinagar Mahudi Road
Gandhinagar, Gujarat
Pin : 382721,
Tele: 02764261131/ 32/ 38/ 39

6. आपके आइडियाज का चयन होने पर वैज्ञानिक उस पर काम कर उसे स्वंय बनाकर आपके नाम से पेटेंट कराएंगे।

इग्नाइट अवार्ड प्राप्त कुछ उदाहरण :–

- दंतेवाड़ा के भरत ने अपने माता पिता को तेंदु पत्ता इकट्ठा करने में होने वाली परेशानी को देखते हुए तेंदुपत्ता इकट्ठा करने हेतु एक सरल मशीन का डिजाइन भेजा जिसका चयन करते हुए वैज्ञानिकों ने इसका माडल तैयार किया।
- अधिक जानकारी के लिए http://nif.org.in/ignite वेबसाइट एवं गत वर्ष का चर्चा पत्र का अंक भी देख सकते हैं।
- क्या आप अपने विद्यार्थियों को ऐसे कार्यों के लिए प्रोत्साहित नहीं करना चाहेंगे ? दंतेवाडा के सुदूर अंचल का बच्चा यह अवार्ड ला सकता है तो आपके यहाँ के बच्चों को भी कोशिश करनी चाहिए|

एजेण्डा पांच :–

शालेय स्वच्छता अभियान – भारत सरकार व्दारा इस वर्ष स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार की घोषणा की गयी है | इसमे सभी शासकीय विद्यालय भाग ले सकते हैं | विद्यालयों को पुरस्कार हेतु अपना आवेदन आनलाइन भरना होगा | संभाग स्तर पर इस हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं | संकुल स्तर पर आप अपने मासिक बैठक में सभी से कुछ आवश्यक जानकारी लाने के निर्देश देते हुए शालाओं को बैठक स्थल या उनके प्रशिक्षण के दौरान ही इन्हें भरे जाने की व्यवस्था कर सकते हैं | शालाओं को पुरस्कार हेतु जल, स्वच्छता इकाई, साबुन से हाथ धुलाई, संचालन एवं रख-रखाव और व्यवहार परिवर्तन एवं क्षमता वृद्धि पर ध्यान दिया जाना है |

आनलाइन आवेदन भरते समय शाला को निम्नलिखित के दो-दो फोटोग्राफ भी अपलोड करने होंगे अतः इन्हें प्रशिक्षण के दौरान साथ लेकर आना होगा:

1. स्कूल और परिसर के सामने का दृश्य – दो फोटो
2. लड़कों एवं लड़कियों के लिए अलग-अलग कार्यशील शौचालय – दो फोटो
3. विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए कार्यशील शौचालय – दो फोटो
4. माहवारी अपशिष्ट निपटारा के लिए इन्सिनेरटर
5. हाथ धुलाई के लिए उपलब्ध सुविधाएं

इन फोटो के साथ इन प्रश्नों के उत्तर के बारे में अपनी स्थिति की जानकारी लेकर आएं ताकि आनलाइन प्रविष्टि भरने में असुविधा न हो :

1. स्कूल में पीने के पानी का स्त्रोत क्या है ?
2. स्कूल में पीने के पानी की मात्रा उपलब्धता क्या है ?
3. पीने के पानी का स्कूल में संग्रहण कैसे किया जाता है ?

4. क्या पीने के पानी की गुणवत्ता परीक्षण किया गया है ?
5. शौचालय में उपयोग के लिए पानी का स्त्रोत क्या है ?
6. शौचालय उपयोग के पश्चात हाथ धुलाई हेतु पानी का स्त्रोत क्या है ?
7. मध्याहन भोजन MDM / दोपहर के भोजन हेतु विद्यार्थीयों एवं रसोईयों के लिए हाथ धुलाई हेतु पानी का स्त्रोत क्या है?
8. क्या स्कूल में कार्यशील वर्षा जल संग्रहण की सुविधा है?
9. क्या स्कूल में कार्यशील (चालू स्थिति) में स्वयं का बालक और शौचालय इकाई (1 शौचालय 03 मुत्रालय) है।
10. शाला में बालक व बालिकाओं के उपयोग हेतु कितने शौचालय चालू हालत में है?
11. शाला में बालक व बालिकाओं के उपयोग हेतु कितने मूत्रालय चालू हालत में है?
12. क्या स्कूल में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (CWSN) के लिए शौचालय है?
13. क्या शाला शौचालय व मुत्रालय का ऊंचाई व आकार सभी आयु वर्ग के बच्चों के लिए उपयुक्त है
14. क्या स्कूल के शिक्षक व अन्य कर्मचारियों के लिए अलग शौचालय उपलब्ध है ?
15. क्या स्कूल के सभी शौचालयों में कुंडी व कपड़े टांगने वाले हुक के साथ सुरक्षित दरवाजे है?
16. क्या सभी शौचालयों में प्रकाश व हवा हेतु उचित वेंटीलेशन व छत है ?
17. क्या स्कूल में माहवारी संबंधी अपशिष्ट (sanitary waste) के निपटान के लिए अलग से ढ़क्कन युक्त कचरा डब्बा है?
18. क्या माहवारी संबंधी अपशिष्ट (sanitary waste) के सुरक्षित निपटान के लिए इनसीनरेटर की व्यवस्था है?
19. क्या स्कूल में शौच के पश्चात हाथ धुलाई की व्यवस्था / सुविधा है?
20. क्या स्कूल में शौचालय उपयोग के बाद साबुन उपलब्ध (व्यवस्था) कराता है ?
21. क्या स्कूल में मध्याहन भोजन / दोपहर के भोजन के पूर्व हाथ धुलाई की व्यवस्था है, जहां एक ही समय पर बच्चों के समुह को एक साथ हाथ धुलाई कराया जा सके।
22. क्या स्कूल मे मध्यान्ह भोजन के पूर्व हाथ धुलाई के लिए साबुन उपलब्ध (व्यवस्था) कराता है ?
23. क्या सभी बच्चे मध्यान्ह भोजन के पूर्व साबुन से हाथ धोते है?
24. क्या स्कूल में हाध धुलाई सुविधा की ऊंचाई, सभी आयु वर्ग के बच्चों के लिए उपयुक्त है?
25. क्या स्कूल में प्रत्येक कक्षा, रसोई घर, शौचालय, और अन्य उपयुक्त जगह पर कचरादान (dustbins) की व्यवस्था है ?
26. स्कूल, अपने ठोस अपशिष्ट (कचरें) का निपटान कैसे करता है?
27. स्कूल तरल अपशिष्ट (गन्दे पानी) का निपटान कैसे करता है ?
28. क्या स्कूल परिसर जलभराव की स्थिति (जल के इकठ्ठा होने) से सुरक्षित है ?
29. क्या कक्षाओं व शैक्षिक परिसर की प्रतिदिन सफाई होती है।
30. शौचालय की सफाई कितने अन्तराल में होती है ?
31. क्या शौचालयों की उपयुक्त सफाई सामग्री से सफाई की जाती हैं ?
32. क्या स्कूल के 2 शिक्षक "स्वच्छता और साफ–सफाई" के क्षेत्र में प्रशिक्षण प्राप्त हैं ?
33. क्या स्कूल में सक्रिय बाल संसद है, जो स्वच्छता और साफ–सफाई के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है ?
34. स्कूल में शौचालय की साफ–सफाई व रखरखाव का निरीक्षण / ध्यान कौन रखता है?
35. बच्चों और रसोईया द्वारा प्रतिदिन मध्याहन भोजन करने एवं बनाने के पूर्व साबुन से हाथ धोने के व्यवहार का निरीक्षण कौन करता है ?
36. क्या स्कूल में सुरक्षित साफ–सफाई, स्वच्छता शिक्षा (मध्याहन भोजन करने के पूर्व साबुन से हाथ धोने के व्यवहार के साथ) के बारे में सुबह प्रार्थना सभा के दौरान और स्कूल क्लब में जागरूक किया जाता है ?
37. क्या छात्राओं से माहवारी स्वच्छता प्रंबंधन के बारे में चर्चा की जाती है ?
38. क्या स्कूल में नियमित रूप से स्वच्छता और साफ–सफाई पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं (निबंध, चित्रकला, डिबेट) का आयोजन किया जाता है ?
39. क्या स्कूल में साफ–सफाई, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य को प्रोत्साहन देने के लिए पोस्टर एवं सामग्री को प्रदर्शित और उपयोग करता है ?

एजेण्डा छः :–

पढ़ाते कैसे हैं ?

आप सभी ने थ्री इडियट्स फिल्म जरूर देखी होगी। इसका एक सीन याद करें जिसमें प्राचार्य द्वारा एक विद्यार्थी को पढ़ाने के लिए कहता है। वह विद्यार्थी अपने दो मित्रों के नाम को घुमाकर श्यामपट पर लिखकर सभी को पुस्तक में से उन्हें ढूँढने कहता है। सभी पॉच मिनट में इन शब्दों को ढूँढने में लग जाते है। फिर पढ़ाने के तरीके पर बात होती है। उसी प्रकार एक सीन में मशीन एवं किताब की परिभाषा पर बातचीत होती है। ऐसे कई उदाहरण आपको इस फिल्म एवं अन्य कई फिल्मों में इधर उधर मिल सकते है।

विभिन्न प्रशिक्षणों में हम यूट्यूब से ऐसी फिल्मों के सीन निकालकर उनको अपने पावरपायंट प्रस्तुतीकरण में शामिल कर सकते हैं।

अपने संकुल में ऐसी विधा में रूचि लेने वाले तीन चार शिक्षकों का पीएलसी बनाकर उनके मदद से अपने संकुल के लिए विभिन्न मुद्दों पर पीपीटी बनाकर संकुल बैठक में एवं हमसे भी ईमेल शेयर करें।

संकुल में कुछ शैक्षिक फिल्मों के बारे में भी चर्चा कर। ऐसी फिल्मों को अपने समूह में देखने एवं उन पर चर्चा कर अवसर प्रदान करें।

बालिकाओं को आगे बढ़ने के लिए हाल ही में एक फिल्म आई है ''साला खडूस''। इसे बालिकाओं को दिखया जा सकता है। बस यह ध्यान रखें कि पायरेटेड सीडी का इस्तेमाल ना करें।

एजेण्डा सात :– डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम शिक्षा गुणवत्ता अभियान के अतंर्गत आवश्यक तैयारियॉ –

आशा है आप सभी अपने–अपने संकुलों में गुणवत्ता सुधार के लिए काम कर रहे होंगे। आपसे अपने संकुल की शालाओं में निम्नलिखित तैयारियों की अपेक्षा है –

1. गत वर्ष के 100 बिन्दुओं के आधार पर गत चर्चा पत्र के 20 बिन्दुओं को अपनी शालाओं में नियमित रूप से लागू करना और उन बिन्दुओं को अपनी आदत में लाना।
2. सामाजिक अंकेक्षण हेतु समुदाय की उपस्थिति एवं बच्चों को अच्छे से तैयार करना।
3. माह अक्टुबर, 2015 के चर्चा पत्र के माध्यम से आपको उपलब्ध कराए गए प्रश्नों को बच्चों से हल कराने का अभ्यास करवाना जिसमें SLAS, NCERT के उपलब्धि परीक्षा के प्रश्न दिए गए है।
4. आपको दी गई कक्षाओं की पूरी जिम्मेदारी लेते हुए सभी बच्चों में निर्धारित दक्षताएँ लाने के लिए मेहनत करना।
5. सभी बच्चों को नियमित उपस्थिति के लिए प्रेरित करना ताकि अकादमिक निरीक्षण के दिन सभी बच्चों उपस्थित रहें। अकादमिक निरीक्षण में 75 प्रतिशत विद्यार्थी को अपेक्षित दक्षताएँ

प्राप्त करने का मतलब है कि कुल दर्ज संख्या का 75 प्रतिशत, अतः सभी की उपस्थिति आवश्यक होगी।

6. रीडिंग कार्नर, मैथ–साइंस कार्नर, वाल मैगजीन, प्रिंटरिच वातावरण तैयार रखना एवं पुरानी प्रतियों को भी संभाल कर उपयोग हेतु रखना।
7. मैथ किट का नियमित इस्तेमाल करना ताकि बच्चों से किट की सामग्री से उपयोग पर आधारित प्रश्नों के जवाब मिल सकें।
8. बच्चों को छोटे–छोटे समूहों में काम करने में अभ्यस्त करना।
9. बच्चों को साइंस कार्नर से विभिन्न प्रयोगों को कर पाने में समक्ष बनाना।
10. बच्चों को हिन्दी/अंग्रेजी में सुनने, बोलने, पढ़ने एवं लिखने में दक्ष बनाना।

इस बार दूसरे विभाग के अधिकारी विभिन्न कक्षाओं में जाकर बच्चों से प्रश्न पूछकर यह जानने का प्रयास करेंगे कि विभिन्न कक्षाओं में कम से कम 75 प्रतिशत बच्चों को 70 प्रतिशत बाते आती है अर्थात वे दस में से कम से कम 7 प्रश्नों के जवाब आसानी से दे देते है। आप सभी को अच्छी तैयारी के लिए शुभकामनाएँ।

एजेण्डा आठ :–

पर्यावरण अध्ययन एवं विज्ञान में कुछ प्रोजेक्ट कार्य

इस बार आपको एस.सी.ई.आर.टी. के विषय विशेषज्ञों द्वारा तैयार कुछ प्रोजेक्ट कार्य उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। इन्हें अपनी कक्षाओं में बच्चों से करवाते हुए उनमें विषय के प्रति रूचि एवं जानकारियों को विकसित करने का प्रयास करें।

हम सभी जानते हैं कि बच्चों में अत्यधिक ऊर्जा होती है। आवश्यकता इस बात की है कि इस ऊर्जा का उपयोग सकारात्मक कार्यों के लिए किया जाए। उन्हें अधिक से अधिक ऐसे अवसर दिए जाएं कि वे स्वयं तथा समूह में अपने आस–पास खोज–बीन करें, कुछ नया बनाएं, कुछ पुरानी बातों की जांच–पड़ताल करें। सुझाव के रूप में कुछ प्रायोजनाएं दी गयी हैं। इन पर संकुल बैठकों में चर्चा करें तथा समूह में बनी सांझी समझ के अनुसार बच्चों को सहयोग करें।

सत्र के प्रारंभ में निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखा जाना उचित होगा–

- पर्यावरण अध्ययन के पाठ्यक्रम का अवलोकन कर इसके प्रमुख विषय–वस्तु (Themes) पर आपस में चर्चा करें। प्रमुख विषय वस्तु इस प्रकार हैं–रिश्ते–नाते, भोजन, पानी, त्यौहार ,स्वास्थ्य और स्वच्छता, पौधे, जीव–जन्तु, आवास, नक्शा व माप, खेल, यात्रा आदि।

- इनके साथ ही पर्यावरण अध्ययन की पाठ्यपुस्तकों में '' शिक्षकों के लिए'' एवं '' पाठ्यवस्तुओं में निहित कौशलों'' शीर्षक से कुछ पृष्ठ दिए गए हैं। कृपया इसे पढ़े एवं इन पर एक बार फिर से आपस में चर्चा करें। इससे विषय से संबंधित सीखने–सिखाने की प्रक्रिया को बाल केंन्द्रित एवं कक्षा को सक्रिय कक्षा का स्वरूप प्रदान करने में मदद मिलेगी।

विद्यार्थियों को समय समय पर निम्नलिखित प्रायोजनाओं पर कार्य करने के अवसर उपलब्ध कराएं।

कक्षा–3

1. विद्यार्थी अपने आस–पास पाए जाने वाले जानवरों/पक्षियों के नाम लिखें। वह ऐसे किसी एक जानवर/पक्षी का चित्र अपनी कॉपी में बनाएँ जो उसको बहुत पसंद हो तथा उसके विभिन्न अंगों के नाम भी लिखें।
2. विद्यार्थी अपने आस–पास पाए जाने वाले किन्हीं 5 पौधों की एक–एक पत्ती इकट्ठी करें। जहाँ तक संभव हो पौधों से अलग होकर नीचे गिरी हुई पत्तियाँ ही इकट्ठी करें। इन पत्तियों का अवलोकन करें एवं वह निम्न सारणी को भरें –

क्रमांक	पत्ती का आकार	वह स्थान जहाँ से पत्ती प्राप्त हुई	पत्ती का उपयोग
1			
2			

इसके बाद पत्तियों को सावधानी पूर्वक पुराने अखबारों या पुरानी कॉपी के पन्नों के अन्दर रख कर सुखा लें।

- किसी पुरानी कॉपी में इन्हें गोंद या गोंद जैसे पदार्थों की मदद से चिपका कर इन पत्तियों का संग्रह करें।
- कक्षा में अपने संग्रह को प्रत्येक विद्यार्थी अपने साथियों के साथ साझा कर चर्चा करें।
- किसी एक पत्ती का चित्र बनाएँ ।

3. विद्यार्थी किसी एक पौधे का ध्यानपूर्वक अवलोकन कर उसका चित्र बनाएँ एवं उसके विभिन्न भागों के नाम लिखें।

कक्षा–4

1. विद्यार्थी अपने परिवार का पारिवारिक वृक्ष बनाएँ ।
2. विद्यार्थी अपने घर पर जमीन या गमले में एक पौधा लगाएँ। इस कार्य में वह बड़ों की मदद भी ले सकता है। इस पौधे की देखभाल के लिए उसने क्या–क्या किया, लिखे एवं कक्षा में इस पर चर्चा भी करें।
3. पौधों तथा मानव जाति में क्या समानताएँ तथा क्या अंतर है? पौधों से मानव जाति को क्या लाभ हैं यह भी विद्यार्थी लिखें।

कक्षा– 5

1. विद्यार्थी अपने आस–पास प्रचलित एक लोकगीत व एक कहानी का पता लगा कर अपनी कॉपी में लिखें। समय–समय पर कक्षाओं में इसे सुनाएँ। विद्यार्थी उक्त लोकगीत व कहानी में निहित संदेश अपनी कॉपी में लिखें।
2. विद्यार्थी आस–पास पाई जाने वाली कोई पाँच चीजों(जैसे–नमक, शक्कर, मिट्टी, रेत, दूध, कोई भी तेल, गुड़) को इकट्ठा करे तथा उन्हें पानी में घोल कर देखे कि वह पानी में घुला है या नहीं। इसके बाद इसे अपनी कॉपी में लिखो।
3. अलग अलग माहों में विद्यार्थी कौन–कौन से त्यौहार मनाता हैं। वह अपने परिवार तथा पड़ोस के किसी परिवार से बात–चीत कर देखे कि क्या दोनों परिवार एक जैसे त्यौहार ही मनाते हैं या अलग–अलग और दोनों परिवारों के किसी एक त्यौहार को मनाने के तरीके को लिखें।

कक्षा 6

1. पानी को पीने योग्य बनाने के नए तथा पुराने तरीकों का संकलन पत्र–पत्रिकाओं, परिवार तथा समुदाय के सदस्यों तथा इंटरनेट आदि की सहायता से करें –

- इन तरीकों में अशुद्धियों के पृथक्करण के लिए किन–किन विधियों का उपयोग किया गया है?
- पृथक्करण की इन विधियों का मूल आधार क्या है? (जैसे–छानने का मूल आधार–कणों के आकार में अंतर, कणों का विलेय/अविलेय होना आदि)
- शुद्धीकरण हेतु प्रयोग में लाए जाने वाले किन्हीं दो रासायनिक पदार्थो के विषय में और अधिक जानकारी प्राप्त कर अपनी पुस्तिका में लिखें।
- यह भी विचार करें कि क्या पुरानी विधियों के आधार पर ही नई विधियों का विकास हुआ है?
- उपरोक्त बिन्दुओं का समावेश कर प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करें।

2. अपने आस–पास के किसी बगीचे/खेत/मैदान का अवलोकन कीजिए तथा वहाँ पाई जाने वाली दो खाद्य शृंखलाओं को पहचानिए–

- इन खाद्य शृंखलाओं के चित्र अपनी कॉपी में बनाएं।
- क्या आप भी किसी खाद्य शृंखला में आते हैं?
- यदि किसी खाद्य शृंखला के बीच की एक कड़ी को हटा दिया जाए तब पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ेगा?
- उपरोक्त बिन्दुओं का समावेश कर प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करें।

3. कक्षा छठवीं अध्याय 6 मापन में 'इन्हें भी कीजिए' क्रमांक–3 पर दी गई गतिविधि ''किसी ऊँचे पेड़ की ऊँचाई नापें'' को पुस्तक में दिए गए निर्देशों के अनुसार किसी पेड़ की ऊँचाई नाप कर प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करें।

4. विभिन्न प्रकार के बीज एकत्रित कर छोटे–छोटे पैकेट्स में रखें तथा उन्हें प्रोजेक्ट पुस्तिका में लगाकर उनके नाम व उपयोग लिखें।
5. अपने आस–पास/पत्र–पत्रिकाओं/इंटरनेट से कुछ जन्तुओं पौधों/वृक्षों/लताओं के चित्र खोजकर आवास एलबम तैयार कीजिए, जिसमें उनके नाम, आवास तथा विशेषताएं भी लिखिए। (संकेत–वन/पर्वतीय क्षेत्र/मरूस्थल/समुद्र/अन्य स्थानों पर पाए जाने वाले पौधे एवं जंतु)

कक्षा 7

1. अपने आस–पास के पाँच परिवारों से साक्षात्कार लेकर जानकारी प्राप्त करें कि–
   - परिवार की आवश्यकता पूर्ति किन–किन जल स्रोतों से हो रही है?
   - प्रतिदिन पीने तथा अन्य कार्यों के लिए लगने वाले जल की लगभग मात्रा कितनी है?
   - प्रतिदिन प्रत्येक व्यक्ति को लगने वाले जल की मात्रा कितनी है?
   - जल की बर्बादी रोकने के लिए परिवार द्वारा क्या–क्या प्रयास किये जा रहे हैं?

   उपरोक्त बिन्दुओं के आधार पर प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करें।
2. आपके क्षेत्र में पाई जाने वाली 5 हरी–भाजियों, 5 फूलों को एकत्र कर उन्हें सुखाकर अपनी प्रोजेक्ट पुस्तिका में चिपकाएं तथा उनका विवरण निम्नानुसार लिखें –
   - सब्जी/फूल का नाम (नाम पता न हो तो परिवार/समुदाय/पत्र–पत्रिकाओं /इंटरनेट की मदद लें)
   - उस सब्जी/फूल का संक्षिप्त विवरण लिखें– आपने इस सब्जी/फूल का चयन क्यों किया,यह किस मौसम में लगता है,अन्य विशेषताएं जो आप बताना चाहें।
   - सब्जी/फूल का चित्र बनाए।

   उपरोक्त बिन्दुओं का समावेश कर प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करें।
3. दो एक समान प्लास्टिक की बोतलें लीजिए। दोनों के मुँह पर समान आकार का एक–एक गुब्बारा बांध दीजिए। अब किसी एक दिन सुबह लगभग 9 बजे एक बोतल को धूप में और दूसरी को अन्दर कमरे में ऐसे स्थान पर रखें जहां धूप न आए। प्रत्येक घंटे अपने अवलोकन को कॉपी में नोट करें।
   - धूप तथा छाया में रखी बोतलों के गुब्बारों के आकार में सबसे ज्यादा अंतर कब दिखायी दिया।
   - इस अंतर का क्या कारण है?
   - धूप में रखी बोतल के गुब्बारे के आकार में क्रमशः होने वाले परिवर्तन को लिखिए।
   - इस परिवर्तन का क्या कारण है?(क्या इसमें ऊष्मा द्वारा हवा के प्रसार की कोई भूमिका है?)
   - आप इस प्रयोग को अन्य दिनों में भी दोहरा सकते हैं जैसे–जिस दिन बादल छाए हों , जिस दिन बारिश हो रही हो आदि।
   - उपरोक्त बिन्दुओं का समावेश कर प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करें। ।
4. मूंग/चने के कुछ सूखे बीजों को पानी में डालकर एक दिन छोड़ दें। अगले दिन जल को पूरी तरह से निकालकर बीजों को गीले कपड़े में लपेटकर रख दें। ध्यान रहे कपड़ा सूखने न पाए –
   - बीजों में होने वाले परिवर्तनों की अपनी कॉपी में नोट करें।
   - भली प्रकार अंकुरित 5 बीजों के अंकुरों की लम्बाई प्रतिदिन धागे से नापें/लम्बाई नापते समय ध्यान रखें कि अंकुर न टूटें।

- क्या सभी बीजों में एक समान परिवर्तन हो रहे हैं।
- ग्राफ पेपर पर पाँचों अंकुरों की लम्बाई का ग्राफ बनाएं।

कक्षा– 8

1. अपने आस–पास के किसी छोटे पौधे (लगभग 6''–12'' ऊँचाई) का चयन करें। यह आपका मित्र पौधा है, जिसकी सुरक्षा तथा पानी देने आदि की जिम्मेदारी भी आपकी ही है।
   - इस पौधे की लम्बाई, चयन वाले दिन नोट करें।
   - अब हर सातवें दिन लगातार 5 सप्ताह इसकी लम्बाई नोट करें।
   - आपके मित्र पौधे में होने वाली परिवर्तन (पत्तियों की संख्या, आकार, में होने वाले परिवर्तन अथवा अन्य कोई अवलोकन जो आपने देखा है) को लिखें।
   - मित्र पौधे के साथ आपके भावनात्मक लगाव को लिखें।
   - आपके मित्र की लम्बाई में होने वाले परिवर्तन को ग्राफ पेपर पर दर्शाएं।
   - उपरोक्त बिन्दुओं का समावेश कर प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करें।

2. अपने सूचक स्वयं बनाएं –
   (क) हल्दी का पानी में गाढ़ा घोल बनाकर कागज पर उसका लेप लगाकर सुखा लें और उसकी लम्बी–लम्बी पट्टियां काट लें और इनका उपयोग सूचक पत्र की तरह करें।
   (ख) गुड़हल/लाल गुलाब या अन्य किसी फूल की पंखुड़ियाँ कागज पर रगड़कर सुखा लें और उसकी पट्टियों का उपयोग सूचक पत्र की तरह करें।
   (ग) इमली का घोल, खाने का सोडा, नींबू का रस, दूध (जो भी पदार्थ सरलता से उपलब्ध हो) की एक–एक बूंद दोनों सूचक पत्रों पर डालकर होने वाले रंग परिवर्तन नोट करें तथा उनकी अम्लीयता, क्षारीयता की पहचान कर प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाएं।

3. अध्याय–9 'प्रकाश का अपवर्तन' के क्रियाकलाप–9 के अनुसार वाटर लेंस सूक्ष्मदर्शी बनाएं।
   - आपके द्वारा तैयार किया गया लेंस किस प्रकार का है उत्तल या अवतल।
   - इस लेंस से वस्तु का लगभग कितने गुना बड़ा प्रतिबिम्ब आप देख सके?
   - लेंस द्वारा बनने वाले प्रतिबिम्ब का रेखाचित्र बनाएं।
   - निर्माण विधि तथा उपरोक्त बिन्दुओं का समावेश कर प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करें।

3. कृषि में उपयोग आने वाले उपकरणों के चित्र एकत्र कीजिए। उन्हें अपनी प्रोजेक्ट कॉपी में लगाकर उनके नाम व उपयोग लिखिए।

कई जिलों से उनके शिक्षकों व्दारा पीएलसी बनाकर बहुत सारे काम करने की जानकारी सुनाने को मिल रही है पर हमारे पास उनकी लिखित जानकारी नहीं है | बस्तर में विज्ञान के पीएलसी की जानकारी गत सन्दर्भ के अंक में प्रकाशित हुई है | उन्हें ढेर सारी बधाई !! उन्होंने चर्चा पत्र के नियमित उपयोग सुनिश्चित करने के लिए भी एक व्हाट्सएप्प ग्रुप बनाया है और राज्य के अलावा स्थानीय स्तर पर भी नियमित चर्चा पत्र निकालना शुरू कर दिया है | आगामी अंकों में नियमित रूप से किसी एक पीएलसी की कहानी शामिल की जानी है | आपसे अपेक्षा है कि आपके पीएलसी व्दारा किए जा रहे बेहतर कार्यों को उपरोक्तानुसार एक कहानी के रूप में फोटोग्राफ के साथ राज्य परियोजना कार्यालय में इस पते पर ईमेल करें – mis.head@gmail.com ईमेल करते समय विषय में अपना जिला और PLC अवश्य लिखें। जैसे उदाहरण के लिए "Jashpur PLC"

एजेंडा नौ :– इस माह का प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी (PLC)

बहुत दिनों से किसी प्रशिक्षण के लिए बुलावा नहीं आया | संकुल में भी हम शिक्षकों के बदले प्रधान पाठक आकर हाजिरी लगाकर शाला के कुछ आंकड़े देकर चले जाते हैं | यदि कोई अकादमिक चर्चा भी हुई हो तो उस पर बात नहीं करते | पिछले साल से चर्चा पत्रों पर बैठकों का दौर शुरू हुआ पर कसावट न होने से शिक्षक समय पर नहीं आते | किसी एक माह की बैठक में प्रोफेशनल लर्निंग की बात की गयी | हममे से कुछ शालाओं के शिक्षकों को यह विचार अच्छा लगा | लगा कि इस तरीके से हम अपने क्षेत्र में कुछ बेहतर कर सकते हैं | रोज-रोज घिसे पिटे तरीके से वही चीजे पढ़ाना, कोई रोचकता नहीं, कोई नयापन नहीं | कभी-कभी शिक्षकीय पेशे को अपनाने पर अपने आपको कोसता था |

बैठक से वापस घर बस से लौटते समय अपने साथियों से चर्चा की | बस में बहुत से स्कूलों के शिक्षक अलग-अलग स्टाप से चढते उतरते थे | इनमे से इच्छुक आठ लोगों के साथ मिलकर अपना एक प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी बनाना तय किया | छुट्टी के दिन हम अपने शहर में ही एक जगह बैठे | अपने कम्युनिटी के लिए नाम, मिशन स्टेटमेंट एवं कैसे इसे आगे लेकर जाना है, सब तय किया | हमने अपने आदिवासी बच्चों के लिए उनकी भाषा में सामग्री बनाकर सिखाने को रोचक बनाना तय किया | इस हेतु आदिवासी भाषा के जानकार कुछ शिक्षक साथियों एवं अन्य विभागों के लोगों को भी साथ में लिया | सभी अपने भाषा के प्रचार एवं उपयोग को सुनकर खुशी-खुशी सहयोग के लिए शामिल हो गए |

हमने पालकों, गाँव के बड़े-बुजुर्गों, बड़ी कक्षाओं में पढ़ रहे बच्चों के साथ मिलकर कुछ कहानियां एकत्रित की | कुछ कहानियों को तो मोबाइल में रिकोर्ड भी किया | कक्षा में बोले जाने वाले सामान्य निर्देश, आसपास के कुछ वस्तुओं के नाम एवं नियमित उपयोग में लाए जाने वाले शब्दों को बच्चों की भाषा में एकत्रित कर एक शब्दकोष जैसा कुछ तैयार कर सभी शिक्षकों को उपलब्ध कराया | कहानियों, स्थानीय लोकगीतों एवं कुछ सांस्कृतिक पहलुओं को इकट्ठा कर मोबाइल के माध्यम से व्हाटसेप्प भी करना शुरू किया | हममे में कुछ शिक्षकों के रिश्तेदार हिमाचल प्रदेश एवं अमेरिका में भी शिक्षकीय पेशे में थे | उन्हें भी हमने अपने पीएलसी में लेते हुए वहां हो रहे विभिन्न नवाचारों की जानकारी लेना प्रारंभ किया | हमने अपने पीएलसी के विस्तार के लिए तय किया कि इससे जुड़ने के लिए एक पोस्टर बनाएंगे एवं संकुल/ विकासखंड स्त्रोत केंद्र, डाइट एस.सी.ई.आर.टी. अथवा एस.पी.ओ. जहां भी जाने का अवसर मिलेगा, वहां इसे चिपकाएंगे और विषय विशेषज्ञों को इससे जोडेंगे | उनके माध्यम से हमें एन.सी.ई.आर.टी., अन्य राज्यों एवं देशों में बहुभाषा शिक्षण में काम कर रहे विशेषज्ञों, उनके ईमेल, इस क्षेत्र में छपी बहुत सी सामग्री एवं रिसर्च की जानकारी मिली | आज हमारे प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी में लगभग दो सौ सक्रिय सदस्य हैं | हम दूसरे जिलों में आदिवासी क्षेत्रों में काम कर रहे शिक्षकों को भी मार्गदर्शन देने लगे है | डाईट में इस विषय में होने वाले प्रशिक्षणों में हमारे पीएलसी को स्त्रोत व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया जाता है | अब हमें लग रहा है कि हम औरों से हटकर कुछ नया, कुछ भला कार्य कर रहे हैं | हम सब साथियों को अपने कार्य पर गर्व होने लगा है |

मासिक चर्चा पत्रों को नियमित रूप से सभी जिला शिक्षा अधिकारियों, जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान, जिला परियोजना कार्यालयों को भेजा जाता है | अब तक की सभी प्रतियां हमारे वेबसाईट - ssachhattisgarh.gov.in/pedagogy.php भी उपलब्ध कराई गयी हैं | विभाग में हो रहे महत्वपूर्ण अकादमिक जानकारियों एवं शालाओं से अपेक्षाओं के लिए यह एक अच्छा माध्यम साबित हो रहा है | हमारे नवनियुक्त सहायक विकासखंड अधिकारियों के लिए भी यह विभाग में अकादमिक सुधार करने हेतु आइडियाज लेने एवं देने का एक अच्छा माध्यम बन सकता है | डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम शिक्षा गुणवत्ता अभियान से जुडी विभिन्न जानकारियाँ भी इसमें दी जा रही है | जिलों में अकादमिक चर्चाओं एवं गतिविधियों का बेहतर माहौल बन रहा है | बहुत अच्छा लगता है जब कोई बीईओ या शिक्षा अधिकारी फोन कर अपने जिले में किए जा रहे विभिन्न प्रयासों की जानकारी देते हैं | कृपया अपने आसपास अन्य सभी को इसमें जोड़ते हुए संकुल बैठकों को नियमित बनाए और केवल प्रधान पाठकों के भरोसे इसे न छोड़ते हुए सभी शिक्षकों को बारी-बारी से इसमें जाने का अपने विचार बांटने का अवसर देवें |

एजेंडा दस :— चित्र पर चर्चा

आत्मचिंतन का अवसर- कैसा हूँ मैं ?

बैठक में कुछ समय निकालकर सभी शिक्षकों को कुछ देर स्वयं को एक शिक्षक की भूमिका में किस प्रकार से पाते हैं, चिंतन करने का अवसर दें | अपने विचारों को एक कागज़ पर लिखवाएं | ऐसा करते समय इन मुद्दों पर भी सोचा जा सकता है:

- मेरे बच्चे मुझे एक शिक्षक के रूप में कितना चाहते हैं, कैसा व्यवहार करते हैं ?
- मैं अपने बच्चों का प्यार और सम्मान पाने के लिए क्या क्या करता हूँ ?
- क्या मैं पढ़ाते समय रोचक, नवीन विधियों का प्रयोग करता हूँ ?
- मैं बच्चों को अच्छे से पढ़ा पाऊँ, उसके लिए प्रतिदिन क्या तैयारी करता हूँ ?
- मेरे बच्चों के माता-पिता अपने बच्चों को मेरे पास सिखाने छोडेने पर क्या उम्मीद करते होंगे ?
- क्या मेरे गाँव में बच्चे आसपास के निजी स्कूल में भर्ती हो रहे हैं ?
- क्या मैं कमजोर अथवा होशियार बच्चों के लिए अलग से काम करता हूँ ?
- क्या मैं सिखाने के लिए बहुत सी सामग्री एकत्रित कर उपयोग करता हूँ ?
- क्या मैं अपने अन्य सहयोगियों से बच्चों के बारे में बात करता हूँ ?
- क्या मैं यह कामना करता हूँ कि मेरे बच्चे जीवन में कुछ अच्छा कर पाएं ?
- क्या तमाम मुसीबतों के बावजूद मैं अपने आचरण में बच्चों के साथ सकारात्मक हूँ ?